ckfyx gkus ds ckn

¼eV: lk;k gqvk gS] [kjkVs Hkj jgk gS] rHkh mlds lius esa Hkxoku vkrs gSa vkSj dgrs gSa½

Hkxoku% अरे वत्स, तू सो रहा है, चल उठ जा, मैं तुझे जगाने आया हूं। तुझे कुछ बताने आया हूं।

¼xhr vkjEHk gksrk gSA eV: ds pkjksa vksj yksx vkrs gSa vkSj xhr xkrs gSa½

आज़ादी तो पाली हमने
क़ायम इसको रखना है,
अभी बहुत कुछ करना है।
अभी बहुत कुछ करना है।।

जाति–पांति से ऊपर उठकर
हमको आगे बढ़ना है,
युवा वर्ग को ज़िम्मा लेकर,
हर घर रौशन करना है,
अभी बहुत कुछ करना है।
अभी बहुत कुछ करना है।।

बढ़ते जाओ, गाते जाओ,
हमको आगे बढ़ना है,

अभी बहुत कुछ करना है।

अभी बहुत कुछ करना है।।

¼lHkh xhr xkus okys viuh txg ij vkdj [kM+s gks tkrs gSA Hkxoku fQj vkdj eV:l dgrs gS½

Hkxoku% वत्स, आज का दिन सोने का नहीं, जागने का है, अपने घर, गांव के विकास में सहयोग करने का है। उठ जा वत्स, तू आज 18 वर्ष का हो गया है। जा, आज से तुझे मैंने एक बहुत बड़ी ज़िम्मेदारी दी...।

eV:% (नींद में बड़बड़ाता है।) ज़िम्मेदारी... कैसी ज़िम्मेदारी। भगवन्... भगवन् (भगवान ग़ायब हो जाते हैं।मटरूहड़बड़ा के उठ बैठता है)

eV:% मां... मां... मां..., मैं आज 18 बरस का हो गया हूं।

ek% अरे मेरे लाल–पीले–हरे–नीले, जीता रहे... ख़ुश रहे... चार–चार पोतों का दादा बने...।

eV:% मुझे पता था, तूने जरूर मेरा ब्याह कहीं तय कर दिया है। (परेशान सा होकर) तभी भगवान जी मुझे इतनी बड़ी ज़िम्मेदारी देकर गए हैं। सच्ची–सच्ची बता। तूने कहीं मेरा ब्याह कर तो नहीं दिया?

ek% अरे तू कैसी बातें कर रहा है बावले। मैं तेरा ब्याह करूंगी, इतनी कम उम्र में।

eV:% तो फिर भगवान ने मुझे ये क्यों कहा कि मैं तुझे बहुत बड़ी ज़िम्मेदारी देकर जा रहा हूं।

i;jd% (हंसते–हंसते प्रवेश करते हुए) अरे मटरू भाई, जन्मदिन बहुत–बहुत मुबारक हो।

eV:% अरे प्रेरक भाई, आपको कैसे पता चला कि आज मेरा जन्म दिन है?

i;jd% मेरे भी सपने में भगवान जी आए थे। उन्होंने ही तो मुझे बताया।

eV:% पर क्या उन्होंने तुम्हें ये बताया, कि उन्होंने मुझे एक बहुत बड़ी ज़िम्मेदारी दी है ?

i;jd% हां, बिल्कुल। उन्होंने तो हर उस युवा–युवती को यह जिम्मेदारी दी है, जो 18 साल के हो गए हैं।

eV:% (हैरानी से) अच्छा...! पर ये तो बताओ कि ये ज़िम्मेदारी है क्या?

ek% जिम्मेदारी यह,कि तू मेरी सेवा करे और मुझसे पूछे बिना कहीं कोई लड़की पसंद न कर ले। (दर्शकों से) अरे क्या पता..., 18 साल का हो गया है, शादी–ब्याह का अधिकार मिल गया है, कोई ऐसी–वैसी ले आया तो।

i;jd% हां, 18 साल का होने पर सिर्फ़ यही एक ज़िम्मेदारी नज़र आती है सबको। अरे ये भी उठा लेना, पर जो भगवान जी ज़िम्मेदारी देकर गए हैं, वो तो सुन लो। और मटरू की मां, आप भी सुनो।

ek% अरे मैं क्या सुनूंगी... मुझे सब पता है।

i;jd% अरे पता है तो फिर भी सुन लो। कौन सा कान पर बोझ पड़ जाएगा।

eV:% ठीक है... ठीक है, सुनाओ। प्रेरक भाई... आप सुनाओ।

i;jd% मटरू,अब तुम बालिग हो गए हो, अब से तुम्हें अपनी सरकार चुनने का अधिकार है।

eV : % मुझे दोनों ही पसंद हैं। पहली सरकार भी और दूसरी सरकार भी। अमिताभ बच्चन का काम ही कुछ ऐसा है।

ef[k;k% (प्रवेश करते हुए) ये देखो... इस देश के युवाओं को इस सिनेमा ने बिगाड़ दिया है। अबे मटरू...।

i;jd% (मुखिया से) अरे मुखिया जी, आज के युवा को प्यार से समझाएं, उसको उसकी ज़िम्मेदारी का अहसास कराएं तो वो सब समझते हैं...।

ek% अरे नालायक़...।

i;jd% चाची, मैं बात कर लूं मटरू से... ?

ek% अरे, मैं कहां रोक रही हूं, इसे दो बातें समझा सको तो मेरा भी भला होगा।

i;jd% हां तो मटरू, आज तुम 18 वर्ष के हो गए हो। अब तुम्हें एक अधिकार भी मिला है और ज़िम्मेदारी भी।वह यह, कि तुम अपने वोट के अधिकार का इस्तेमाल करके सरकार चुन सकते हो।

eV : % पर कैसे?

i;jd% (फ़ार्म देते हुए) इसे पहले पढ़ो, फिर भरो... (और सामने खड़ी जनता से) क्योंकि मटरू का जन्मदिन है, तो मैंने उसे ये फ़ार्म उपहार के रूप में दिया है, पर आप सब मटरू के जन्मदिन की मिठाई खाने के बाद लोकशिक्षा केन्द्र जाना और वहाँ रखे फ़ार्म को अच्छी तरह से पढ़ कर या किसी से पढ़वा कर भर कर जमा करवा कर आना।

eV:% पर ये है क्या और इससे होगा क्या...?

ek% अरे अक़्ल के अंधे, तेरा नाम मतदाता सूची में आ जाएगा और आने वाले इलेक्शन में तू भी अपने वोट का इस्तेमाल कर सकेगा।

eV:% मुझे ना है कोई दिलचस्पीवोट–शोट डालने में...।

ek% अरे प्रेरक जी देखा, क्या कह रहा है मेरा लाल! इसका तो मटरू की जगह मूरख नाम रखना चाहिए था मुझे।

¼dSjh dk izos'k½

dSjh% अरे चाची, मटरू हो या मूरख या फिर कैरी, यानी मैं या फ़रहान अख़्तर। सवाल तो यही उठता है कि हम क्यों दें वोट? हमारे वोट से होगा क्या?

eqf[k;k% ...अरे कैरी, यहां तो मुझे तीन–तीन वोट नज़र आ रहे हैं... पर तेरे बाप के, एक अकेले वोट ने मेरी सत्ता मेरे हाथ से जातेजाते बचा ली थी। मटरू की मां याद है न, सोसायटी की मीटिंग में चौधरी और मुझे बराबर–बराबर वोट मिले थे, और ऐन टाइम पर राधे ने पहुंच कर मेरे पक्ष में हाथ खड़ा कर दिया।बस उसी एक वोट सेमैं सोसायटी का अध्यक्ष बन गया...।

dSjh] eV:%अच्छा! एक वोट का इतना महत्त्व है ?

izsjd% हां भई... वोट का महत्त्व तो है ही, वोट देने वाले का महत्त्व तो और भी ज़्यादा है।

eV:% वोट का ही तो महत्त्व हुआ, वोट डालने वाले का महत्त्व कैसे हुआ?

ek% अक्ल के दुश्मन, वोट डालने वाला ही नहीं होगा तो वोट कैसे पड़ेगा?

i\jd% हांचाची, ये भी सही है, पर मतदाता का इससे भी बड़ा महत्त्व है और उससे भी बड़ी होती है मतदाता की सोच, मतदाता की समझदारी कि वो किसे चुने, कैसे चुने?

ef[k;k% अच्छा..., ये भी सोचना पड़ता है! अरे मेरे पिताजी जिसको वोट देते आए हैं, मैं भी उसे ही वोट देता हूँ। मैंने तो कभी सोचा ही नहीं। और सच बताऊं तो मैं तो, आज भी यही सोचता हूँ कि मुझे भी इसी सोच के साथ वोट मिलते हैं। इसीलिए तो मैं, इन युवाओं को मुंह नहीं लगाता। क्योंकि मुझे पता है कि जिसे इनके बाप–दादा वोट देते आए हैं, ये भी उसे ही देंगे।

i\jd% न मुखिया दादा, आज का युवा सोचने लगा है। वो... ये सोचता है कि मैं जिसे चुनने जा रहा हूं, उसकी योग्यता क्या है? वो पढ़ा लिखा है या नहीं? आज का वोटर उम्मीदवार की धन–सम्पदा का ब्यौरा मांगता है, उसका चरित्र प्रमाण पत्र मांगता है कि कहीं उसके ऊपर कोई केस आदि तो नहीं चल रहा।

d\jh&eV : %सच्ची–मुच्ची, क्या कह रहे हो प्रेरक भाई...।

i\jd% मुच्ची–सच्ची, सच कह रहा हूँ... मटरू भाई...।

ek% पर किसी नेता की जन्मकुंडली कौन निकालेगा भाई...।

i\jd% हम निकालेंगे।ये हर मतदाता का हक़ है। वैसे तो ये सारी जानकारी समाचार पत्रों में प्रकाशित होती है, पर अगर आप ये

जानकारी लेना चाहते हैं तो आप सीधे चुनाव अधिकारी से अपने क्षेत्र के उम्मीदवार के बारे में जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

djh&eV:% (गर्व से सोचते हुए) ये हमारा अधिकार है!

ek&ef[k;k&i:jd% ये तुम्हारा ही नहीं, हम सब का अधिकार है।

eV:% तो ठीक है प्रेरक जी, ये फार्म भरकर मैं आज ही आपके पास जमा कर दूंगा।

i:jd% हां, ये हुई न जिम्मेदारी वाली बात। अब आओ तुम्हारे जन्मदिन की खुशी मनाएं। अपने दोस्तों को बुलाओ। सब मिलकर गीत गाएं।

हम हैं जवान, अंग–अंग में हिलोर।

लोकतंत्र की हमारे हाथ बागडोर।।

हमने अठारह साल कर लिए पार,

वोट देने का मिला है, हमें अधिकार,

वोट कीमती है जिसका न है ओर–छोर।

लोकतंत्र की, हमारे हाथ बागडोर।।

हम हैं किसान, चाहे हम मज़दूर,

खाते हैं कसम, वोट डालेंगे ज़रूर,

काफिला हमारा लाएगा सुनहरी भोर।

लोकतंत्र की हमारे हाथ बागडोर।।

चलेगी शराब, न चलेंगे अब नोट,

लाएगा विकास जो, उसी को देंगे वोट,

वोट डालने में भेड़ चाल का क्या काम,

वोट देंगे उसे, जो करेगा अच्छे काम,

हम पै दबाव न चलेगा कोई ज़ोर।

लोकतंत्र की हमारे हाथ बागडोर।।

एक उंगली का कह रहा है ये निशान,

हम सब एक खून, एक हिन्दुस्तान,

लोकतंत्र का करेंगे नाम चारों ओर।

लोकतंत्र की हमारे हाथ बागडोर।।

¼xhr d% lkFk gh ukVd lekIr½